

# दैनिक भास्कर

देश का विश्वस्तरीय अखबार

दिनांक-07 अक्टूबर 2023 (शुक्रवार) 12 मुंबई 404



## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित



### भास्कर ब्यूरो

**गुरुग्राम।** श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस

आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर ह्रजयह्व शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस

व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35

महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। क्षबोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।



# अमर भारती

करण

एक उम्मीद

## बोधराज सीकरी ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर



(ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु बिराजमान थे। एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ

किया, तदोपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान

चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर हजयह्म शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी

दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी बर्मा, सुभाष शोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।



नये भारत का अखबार



# गुड़गाव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए: बोधराज सीकरी

**खूबो/गुड़गाव मेल**  
 गुड़गाव 22 फरवरी। श्री स्वाम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान कोषाध्यक्ष हैं, श्री माता मैणों देवी दरवार, बड़ी हरसरक (गुरुग्राम) श्रद्धेय पुनर्माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, दुर्गात लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री स्वाम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में सनापना मा. श्री सी.सी. लीग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, विद्यार्थी लगभग 200 विद्यार्थी (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।  
 जो. एन. गोसाई ने व्यास गद्दी से स्नान और ताल के पिशाच के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरंतु सभी

ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानुत्सव चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 71 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान मालीसा के अन्दर खुपे गुरु उद्देश्यों को उजागर भी किया।  
 उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसको व्यङ्ग्य करते हुए उन्होंने कहा कि तबमें किस व्यक्तित्व की वष हो रही है, जैसे किसका अपनी इच्छाओं पर तर है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को योगित रखता है इत्यादि को जय-जयकार होती है। वहीं पार सो के करीब विज्ञान और साधकों की उदाम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पुनर्माता द्वारा संचालित लेणो देवी दरवार गद्दी हर मरु में 60 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए



उपस्थित रहे, जिन्होंने मात-मात बार पठ किया और प्रता: 7.30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लॉक, मुख्यतः लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा जिन कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सभी विद्यार्थी सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पठ पढ़ा।  
 बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय गार्होपस्थित, परंपरा, कर्मा कांड एवं तत्त्वों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए, तबकि हमारी युवा पीढ़ी एक तपस्व संस्कारपान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार एतक

प्रधान रहेगा कि अपने बच्चे दिनों में से कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का संचरण युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी क्रम में अगले मंगलवार शिव गाँव, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका सन्बन्ध पम्पट बजाव और ताकत पत्तो न्योत्सवना बजाव करेगी।  
 इस दौरान स्वाम मंदिर का और से रागपीर दंडन, अत्यन्त नर्मा, सुभाव घोष, मदन सतीजा वीरेंद्र शास्त्री, जगदीश रत्नेजा, तिलक शानन, छाबड़ जी, मणेश शर्मा, शरा ब्रिधाराजा, लीला ब्रिधाराजा, मलपाल नाम, बबेंद्र गोसई, अशोक सीकरी, सहजान और कल्लु आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पूजा तासा जनों की ओर से

सह उपस्थित रहे।  
 पूजा की विराहरी की ओर से लोमपकाश कर्धरिया, रामलाल घोषर, राज कुमार बर्धरिया, पम्पट नवल, रमेश कुमार, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार उमेश घोषरा, शर्मा नारा, चंदि कर्धरिया, किशव वर्मा सतीग बर्मा, तुलशन, ज्योत्सना, ज्योति बर्मा, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनित सन्दिप, निनु छावड़ा, ज्योति अग्रवाल, जलिक मोहन गन्धी, राज पाल नारा, पुद्गल बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे।  
 मैं वैष्णोदेवी दरवार गद्दी हर मरु का सन्बन्ध डॉक्टर लखक बधवार शर्मा ने किया। इस धर्मसमय परिचेष में जन-जन के मन ने दिव्य और अनीकिक जाभूति प्राप्त की।





# गुड़गांव टुडे

एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा



गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कॉलोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ करके युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बनने और हमारी पुण्यतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरवार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लॉक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग

200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लख और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय

संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनने, वहीं हमारी पुण्यतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दाश बुधिराजा, लीला बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेन्द्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी विरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, भर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रविच बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राजपाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश ( बुलंदशहर एवं मुरादाबाद ) से एक साथ प्रकाशित

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित -10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरवार, गढ़ी हरसरु (गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं पलायन पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में अर्पित देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विद्यार्थी (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोयवाई ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान



चालीसा के पाठ का शुभारंभ किया, तदोपरंत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रंथ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर लुप्त गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर -जय- शब्द

आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय ले रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विद्यार्थी और सच्यों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता

द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरवार गढ़ी हर सरु में 90 सचक हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए उपस्थित रहे, जिनमें सात-सात बार पाठ किया और प्रत्य- 7-30 बजे पलायन पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप से 7-7 बार पाठ पढ़ा यति कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक सचक एकत्रित हुए और सर्वोत्तम सांस्कृतिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-वंश एवं उत्सवों को विशालताम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्वरत्न बनने वाली हमारी पुस्तक समानता वैदिक

परम्पराओं को भी सद सपर रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उत्सव प्रथाय रहेगा कि आने वाले दिनों में वैकुण्ठ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कठे में आगेले मांस्तर शिव मंदिर, कृष्ण कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेश बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर उदय, अश्वनी वर्मा, सुभाष प्रोवर, मदन सतीश, वीर अहूजा, जादीश खेजा, तिरक चान्ना, छवड़ जी, वजेश शर्मा, दग बुधिरजा, लीलू बुधिरजा, सतपाल नासा, गणेश गोयवाई, अशोक सीकरी, सहायल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रमोद्य

की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्प नस्र अमनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी विद्यार्थी की ओर से ओमप्रकाश कश्यप, गमलाल प्रोवर, राज कुमार वाक्यूख, धर्मेश बजाज, सेश कामर, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, अंशु प्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कश्यप, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छवड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राजपाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार -कुमार- आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरवार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।



# रण टाइम्स

**भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए - बोधराज सीकरी**



**राजु गुप्ता**

**बुधवार, (रण टाइम्स)।** गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू (गुरुग्राम) ब्रह्मदेव पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विद्यमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरंत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समाप्त पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर -जय- शब्द आता है। उसको व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर चर है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि

की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7-30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लॉक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनने वाली हमारी पुरातन स्मृतन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका

समन्वय धर्मेंद्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष शोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लील् बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेन्द्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और चवल् आदि उपस्थित रहे।

महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेजपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी निरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल शोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, रमेश शोवर, अर्जुन नासा, निरेंद्र कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरू का समन्वय डॉक्टर अलका बंधवार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।

# ओपन सर्च

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित

## 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतवीर भारद्वाज

मुकुटाग्राम। श्री हनुमान जी मंदिर, न्यू कोलोनियों (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज सुंदर हैं, श्री माता वैष्णवी देवी दरवार, गड़ी हरमक (गुरुग्राम) श्रद्धेय पुरुष माता द्वारा संचालित एवं फतावर पार्क, सुरासो लोक, सी-ब्लॉक, गुरुग्राम में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री हनुमान जी मंदिर, न्यू कोलोनियों (गुरुग्राम) में लगभग चार से बीस लोग इस महान पाठ में अग्रणी देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विद्यार्थी (ब्रह्मचर्य) भी इस आध्यात्मिक कार्य में विद्यमान थे।

जी. एन. गौडार्ई ने व्यास गुरुदेी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पाठ का सुधारम किया, तदुपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महात्म्य चालीसा चौपाहरी के प्रथम का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर् लुपे गुरु श्रद्धांजी को उद्गार भी किया।

उनके कथननुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "नम" शब्द आता है। इसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें किस व्यक्तित्व को नम हो रही है, कौसे किसका अपनी इन्द्रिय पर चला है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपने इच्छाओं को भीति रखता है इत्यादि को बत-बतकार होते हैं। जहाँ चार से के करीब विद्यार्थी और स्थानों को हनुमान मंदिर में उपस्थित रही, कहीं पुरुष माता द्वारा संचालित वैष्णवी देवी दरवार, गड़ी हरमक में 50

साथक हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए उपस्थित रहे, विन्दीन खन-खन चार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फतावर पार्क, सी-ब्लॉक, सुरासो लोक, गुरुग्राम में 35



■ भारतीय संस्कृति परम्परा एवं उत्सवों को विशालताम और मूल्य तथीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

■ युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज

व्योत्पन्न बजाव करेंगे। इस दौरान स्वयं मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अरुणवी वर्मा, सुभाष प्रोवर, मदन भवोडा, नीरंज आहवा, जगदीश राखेडा, तिलक चान्ना, लखशु जी, राजेश शर्मा, वारा कुशियान, लक्ष्मी कुशियान, सतपाल नाथ, गजेंद्र गोखरा, अशोक सीकरी, सहज और वक्लू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा चेतना और पुष्प नारा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंचवटी विद्यार्थी की ओर से ऑपरकास कथीरक, रामलाल शीवर, राज कुमार कथीरक, धर्मेश नजारा, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश प्रोवर, अर्जुन नाथ, नीरंज कथीरक, विजय वर्मा, मनीष वर्मा, गुणवत, ज्योत्सना, प्रवीण वर्मा, शक्ति बजाव, रवि बजाव, सुरेश खैरि, शैल सीकरी, सोनिय चवडेव, विन् लखशु, ज्योति अयासत, मलिक मीरन गाव्ठी, राज पात नासा, मुदरंन बजाव, रमेश कुमार 'कथार' आदि उपस्थित रहे।

महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा जाने कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साथक एकत्रित हुए

और सवने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथननुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालताम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने कहीं

हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथननुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भजन आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्ण कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका सम्मेलन धर्मेश बजाव और उनकी पत्नी

वैष्णोदेवी दरवार गड़ी हरमक का सम्मेलन शिवर अरुणा कथार शर्मा ने किया। इस विलम्ब परिक्रम में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।



# बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

## हनुमान चालीसा पाठ का किया गया आयोजन

भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महसंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसर में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस आस्थात्मक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाई से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाहियों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय है वह है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को

विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवाने बने। वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा

स्मरण रखे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वह कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। उन्होंने बताया कि जहाँ करीब 400 विप्रवार और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थित रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने 7-7 बार पाठ किया और प्रातः 7-30 बजे फलावर पार्क, सी-ब्लॉक, सुरात लोक में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10 हजार से अधिक बार पाठ पढ़ा। इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेन्द्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस अवसर

पर श्याम मंदिर के रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष शोकर, मदन सतीजा, बरिन्द्र आहूजा, जगदीश राखेजा, तिलक चानना, छबड़ू जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीतू बुधिराजा, सतपाल नासा, गर्जेंद्र गोसाई, अशोक सीकरी, सहलग और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी के बरिष्ठ उप प्रधान ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल शोकर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामर, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश शोकर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनू छबड़ू, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सर का समन्वय डॉ. अलका बधवार शर्मा ने किया।



## हरियाणा की आवाज़

# एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा



**गुरुग्राम (राकेश)।** चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्री श्याम जी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। पूनम माता द्वारा संचालित गढ़ी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लाक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए

उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी। करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गढ़ी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7-30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से



अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं,

अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राजकुमार कथूरिया, धमेंद्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार आदि उपस्थित रहे।





नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायानियर

## एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कर युवा पीढ़ी को दी प्रेरणा

पायानियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं न्यू कालोनी श्रीश्यामजी मंदिर के प्रधान बोधराज सीकरी ने एक दिन में 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ कराकर युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने का काम किया है। उनका कहना है कि युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

पूनाम माता द्वारा संचालित गद्दी-हरसरू स्थित श्री माता वैष्णो देवी दरबार एवं फ्लायर पार्क सुशांत लोक सी-ब्लॉक ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी में करीब साढ़े 450 लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए। लगभग 200 ब्राह्मण भी इस आध्यात्मिक कार्य में शामिल हुए। जीएन गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी।



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करते साधक।

करीब 100 ब्राह्मणों और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही। वैष्णो देवी दरबार गद्दी-हरसरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे। सुबह 7:30 बजे फ्लायर पार्क में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार यानि 251 बार पाठ किया। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्मकांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य

तरीके से मनाना चाहिए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बनें, वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। इस अवसर पर श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा टीम के साथ उपस्थित रहे।

# जगत क्रान्ति

## हनुमान चालीसा पाठ का किया आयोजन

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : न्यू कालोनी के श्री श्याम मंदिर प्रबंधन समिति के प्रधान व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने पूनम माता द्वारा गढ़ी हरसरु में संचालित माता वैष्णो देवी दरबार परिसर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन कराया, जिसमें संस्था के प्रधान बोधराज सीकरी सहित श्री श्याम मंदिर के सैकड़ों सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए और 200 ब्राह्मण इस



आद्यात्मिक आयोजन में शामिल रहे। जीएन गौसाई से बड़ी भावपूर्ण शैली में श्री हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया, जिसके बाद 40 चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया गया। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और

उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जय शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। सीकरी ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने।



आप का साथ हमारा विश्वास

# एनसीआर टाइम्स

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 23/2/23

## 10000 बार श्री हनुमान चालीसा से गूंजा गुरुग्राम शहर

भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए : बोधराज सीकरी



पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा। बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाया चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम ( एनसीआर टाइम्स ) गुरुग्राम के श्री श्याम मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरु(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सो तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे। जी. एन. गोसाईं ने व्यास गद्दी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरांत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया। समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर 'जय' शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर बश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सो के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरु में 90 साधक हनुमान चालीसा का

इसी कड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मेन्द्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज करेंगी। इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष घोवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रखेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लौलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। पंजाबी बिरादरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल घोवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश घोवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, विनु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार "कुमार" आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरु का समन्वय डॉक्टर अलका बघवार शर्मा ने किया। इस भक्तिमय परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हनुमान इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

## भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए : बोधराज सीकरी

हनुमान इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। श्री अणाम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरवार, गद्दी हरमकर गुरुग्राम) इटेल पुनम माता प्रांत संचालित एवं फ्लावर पार्क, सुरात लोक, सी ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में अरुण चर सो जिस लोग इस महाल चर में सहित देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विपक्ष (ब्रह्मचर) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

श्री. एन गोसाई ने व्यास गद्दी से लय और गाल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तद्पश्चात् सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महालतम चालीसा चीपाइयों के जप का 21 बार पाठ किया।



समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्तर् छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया। उनके कथनानुसार, हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर जल शब्द आता है। उसको व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे विमला अपनी इच्छियों पर चरती हैं, जो

ज्ञान का भंडार हैं, जो अपनी इच्छाओं को रांगित रखता है इच्छाओं को जप बयकार होती है। वहीं चर सो के कटीव विपक्ष और साधकों की ज्ञान मंदिर में उपस्थित रही। तहाँ पुनम नला दाम संचालित वैष्णो देवी दरवार गद्दी हर सत में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-

सत्ता चार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लावर पार्क, सी ब्लाक, सुरात लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़े यानि कि 251 बार। इस तरह संस्कारजन बने यहाँ हमारी अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।



बोधराज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, क्रम-कंड एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरह संस्कारजन बने यहाँ हमारी पूरतन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखें। बोधराज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास

रहना कि आने वाले दिनों में वें कुछ और पहिरेंगे भी इस प्रकार का भव्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके। इसी जड़ी में अगले मंगलवार शिव मंदिर, कृष्णा कॉलोनी में एक आयोजन होगा जिसका समन्वय धर्मद बजाज और उनकी तनी

ज्योत्सना बजाज करेंगे। इस दौरान श्याम गद्दी की ओर से राधाश्री रंजन, अश्वनी बर्म, सुभाष शोकर, मदन सखीजा, चौरेंद्र, लालू, जगदीश खंडेजा, विलक मानना, शशबंदा जी, राजेश शर्मा, टाय बुधिराजा, लालू बुधिराजा, सतपाल नाथ, गजेंद्र गोसाई, अशोक रंजी, महगल और बबानू आदि उपस्थित

रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेचपल और पूजा नामा यशनी रीप के साथ उपस्थित रहे।

बनबी विरावरी की ओर से ओमप्रकाश कशूरीया, रामलाल शोकर, राज कुमार कशूरीया, धर्मद बजाज, रोश कागार, अर्जुन काला, रमेश कुमार, उमेश शोकर, लखनू जामा, नरिंदर कशूरीया, विजय बर्म, सुरेश बर्म, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति बर्म, शशि बजाज, रवि बजाज, सुरेश शोकर, शक्ति शोकर, सोनिया सचदेव, विनू श्याबदा, ज्योति अशवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज खल नाथा, सुदर्शन बजाज, रोश कुमार कुमार आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरवार गद्दी हर सत का समन्वय डॉक्टर अलका नमनवर जामा ने किया।

इस भव्यतम परिवेश में जन-जन के मन ने दिव्य और अलौकिक अनुभूति प्राप्त की।







## युवा पीढ़ी संस्कारवान बने और हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे : बोधराज सीकरी

ajeybharat: Wednesday, February 22, 2023

बोधराज सीकरी (चिन्तक, विश्लेषक, समाजसेवी एवं उद्योगपति) ने किया कीर्तिमान स्थापित - 10000 बार हनुमान चालीसा का पाठ एक ही दिन में कर दी युवा पीढ़ी को प्रेरणा



गुरुग्राम। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान बोधराज खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पूनम माता द्वारा संचालित एवं फतापर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदीपरत सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपाइयों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।



उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर "जय" शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है। जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पूनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फतापर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार। इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 555 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।



## Bodhraj Sikri – भारतीय संस्कृति, परम्परा एवं उत्सवों को विशालतम और भव्य तरीके से मनाना चाहिए



**Viral Sach :** श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) जिसके प्रधान Bodhraj Sikri खुद हैं, श्री माता वैष्णो देवी दरबार, गढ़ी हरसरू(गुरुग्राम) श्रद्धेय पुनम माता द्वारा संचालित एवं फ्लायर पार्क, सुशांत लोक, सी-ब्लाक, गुरुग्राम ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया।

श्री श्याम जी मंदिर, न्यू कॉलोनी (गुरुग्राम) में लगभग चार सौ तीस लोग इस महान यज्ञ में आहुति देने के लिए उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 200 विप्रवर (ब्राह्मण) भी इस आध्यात्मिक कार्य हेतु विराजमान थे।

जी. एन. गोसाईं ने व्यास गढ़ी से लय और ताल के मिश्रण के साथ श्री हनुमान चालीसा के पठन का शुभारम्भ किया, तदोपरान्त सभी ने सामूहिक रूप से एक स्वर में इस महानतम चालीस चौपायों के ग्रन्थ का 21 बार पाठ किया।

समापन पर बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा के अन्दर छुपे गूढ़ रहस्यों को उजागर भी किया।

उनके कथनानुसार हनुमान चालीसा में 5 स्थानों पर 'जय' शब्द आता है। उसकी व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें किस व्यक्तित्व की जय हो रही है, जैसे जिसका अपनी इन्द्रियों पर वश है, जो ज्ञान का भंडार है, जो अपनी इच्छाओं को सीमित रखता है इत्यादि की जय-जयकार होती है।

जहाँ चार सौ के करीब विप्रवर और साधकों की श्याम मंदिर में उपस्थिति रही, वहीं पुनम माता द्वारा संचालित वैष्णो देवी दरबार गढ़ी हर सरू में 90 साधक हनुमान चालीसा का पठन करने के लिए उपस्थित रहे, जिनोंने सात-सात बार पाठ किया और प्रातः 7:30 बजे फ्लायर पार्क, सी-ब्लाक, सुशांत लोक, गुरुग्राम में 35 महिला एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप में 7-7 बार पाठ पढ़ा यानि कि 251 बार।

इस प्रकार 3 स्थानों पर कुल 556 से अधिक साधक एकत्रित हुए और सबने मिलकर सामूहिक रूप से 10000 से अधिक बार पाठ पढ़ा।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार हमें अपनी भारतीय संस्कृति, परम्परा, कर्म-कांड एवं उत्सवों को विनाशतम और भय्य तरीके से मनाना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी एक तरफ संस्कारवान बने वहीं हमारी पुरातन सनातन वैदिक परम्पराओं को भी सदा स्मरण रखे।

बोध राज सीकरी के कथनानुसार उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले दिनों में वे कुछ और मंदिरों में भी इस प्रकार का भय्य आयोजन करें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश युवा पीढ़ी को दिया जा सके।

इस दौरान श्याम मंदिर की ओर से रणधीर टंडन, अश्वनी वर्मा, सुभाष ग्रीवर, मदन सतीजा, वीरेंद्र आहूजा, जगदीश रस्खेजा, तिलक चानना, छाबड़ा जी, राजेश शर्मा, दारा बुधिराजा, लीलू बुधिराजा, सतपाल नासा, गजेंद्र गोसाईं, अशोक सीकरी, सहगल और बबलू आदि उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से पूजा खेत्रपाल और पुष्पा नासा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

पंजाबी विराठरी की ओर से ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रीवर, राज कुमार कथूरिया, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, अर्जुन कालरा, रमेश कुमार, उमेश ग्रीवर, अर्जुन नासा, नरिंदर कथूरिया, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, गुलशन, ज्योत्सना, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रुचि बजाज, सुरेश सीकरी, शील सीकरी, सोनिया सचदेव, वित्तु छाबड़ा, ज्योति अग्रवाल, मलिक मोहन गान्धी, राज पाल नासा, सुदर्शन बजाज, रमेश कुमार 'कुमार' आदि उपस्थित रहे। माँ वैष्णोदेवी दरबार गढ़ी हर सरू का समन्वय डॉक्टर अलका बधवार शर्मा ने किया।